Written by बी न मशिर
Wednesday, 06 June 2018 12:01

:   ,   :   ,   :   :

 :बस् ती शहर कोतवाली के भुवर नरिंजनपुर में सोमवार की देर रात कर्ज में डूबे क व्यक्ति ने पत्नी व दो बच्चों के साथ सल्फास खा लयि। हालत बगि ने पर प ोसियों की सूचना पर पुलसि व म्बुलेंस मौके पर पहुंची। मृतक घी और बेसन का करोबारी था। चारों को जलिा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां शविकुमार की पत्नी मीना जायसवाल (40) को मृत घोषति कर दयिा गया। इलाज के दौरान शविकुमार जायसवाल (45) और उसके बेटे आयुष उर्फ प्रांशु जायसवाल (17) ने भी दम तो दयिा। ब ी बेटी मुस्कान जायसवाल (19) को गंभीर हालत में बीआरडी मेडकिल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दयिा गया था जहां शाम को उसने भी दम तोड़ दयिा।

घटना की सूचना मलिते ही सपी दलिीप कुमार,   सपी पंकज, सडी म श्रीप्रकाश शुक्ला, सीओ सटिी आलोक कुमार सहि, कोतवाल वजियेन्द्र सहि के साथ फोरेंसकि टीम मौके पर पहुंच गई। शविकुमार के कमरे से सल्फास की तीन खाली शीशी बरामद हुई है। कोतवाल वजियेन्द्र सहि ने अनुसार कि गोरखपुर रेफर होने से पहले मुस्कान ने बताया कि पिताजी ने बैंक से बीस लाख रुप का कर्जा ले रखा था। इसे चुका पाने के कारण काफी परेशान थे। माना जा रहा है कि इसी कारण शविकुमार ने खुद जहर खाने के साथ अपनी पत्नी और दोनों बच्चों को भी जहर खाने को दे दयिा। शविकुमार मूलरूप से गोंडा नवाबगंज का रहने वाला था। खुले बाजार से घी और बेसन खरीद कर उसे डब्बिे में पैक कर बाजार में सप्लाई करता था।

शहर के भुवर नरिंजनपुर में करिा पर रहने वाले शविकुमार जायसवाल के घर हुई घटना से प ोसी भी अवाक हैं। प ोसियों की मानें तो परवािर में कभी झग ा या ववाद की बात सामने नहीं आई और न ही ऐसी बात सोमवार की रात हुई। बल्कि सोमवार की शाम शविकुमार की पत्नी मीना अपने घर के बाहर बैठकर अन्य महलािओं से बातचीत कर रही थी और परववािरीजन सामान्य नजर आ रहे थे। हालांकि कुछ प ोसी यह भी कहते नजर आ कि शविकुमार का परवािर मोहल्ले में कसिी से खास मतलब नहीं रखता था। लहिाजा घर में क्या चल रहा है, इसकी जानकारी कसिी को नहीं हो पाती थी।

शहर के भुवर नरिंजनपुर के सबलू श्रीवास्तव के मकान में करीब आठ माह से शविकुमार करिा पर रहता था। इससे पहले वह शहर के खोराखार व म वानगर में करिा पर था। मूलरूप से गोंडा नवाबगंज के रहने वाले शविकुमार बेसन व घी की पैकगि कर दुकानों पर सप्लाई का बजिनेस करता था। प ोसी प्रभाकर ने बताया कि सोमवार की रात करीब दो बजे शविकुमार तेज-तेज से उनका दरवाजा खटखटाने लगा। दरवाजा खोला तो वह बेसुध दखिा। बोला हम लोगों को अस्पताल पहुंचा दो।

प ोसी प्रभाकर कमरे में पहुंचा और देखा तो अंदर सब त प रहे थे और पानी मांग रहे थे। कमरे में सल्फास की तीन शीशी प ी देख प्रभाकर ने सबसे पहले सूचना अन्य प ोसियों को देने के साथ 100 नंबर पर पुलसि को सूचना दी। थो ी ही देर में कोतवाल वजियेन्द्र सहि व चौकी प्रभारी गांधीनगर मीरा चौहान के साथ फोर्स मौके पर पहुंची और म्बुलेंस से सभी को जलिा अस्पताल भेजा।

Written by बी न मश्रि
Wednesday, 06 June 2018 12:01

जलिा अस्पताल पहुंचने पर करीब तीन बजे शवकुिमार जायसवाल की पत्नी की मीना को चकित्सिकों ने मृत घोषति कर दयिा जबक शवकुिमार, उसके बेटे आयुष और बेटी मुस्कान का इलाज शुरू हुआ थोी देर बाद उन दोनों की भी सांसें भी थम गईं गंभीर हालत में बेटी मुस्कान को बीआरडी मेडकिल कॉलेज रेफर कर दयिा गया, जहां शाम तक जन्दिगी के ल संघर्ष करने के बाद आखरिकार उसने दम तोड़ दयिा

घटना की सूचना के बाद आला अफसरों के साथ फोरेंसकि टीम मौके पर पहुंच गई कमरे से सल्फास की शीशी व अन्य साक्ष्य क्त्र कयिा शवकुिमार व उसके परजिनों को जलिा अस्पताल भेजने के साथ ही पुलसि ने कमरे पर ताला लगा दयिा इधर सपी दलिीप कुमार व अन्य आला अधकिारी जलिा अस्पताल पहुंचे और चकित्सिकों से मुस्कान की हालत की जानकारी ली

पुलसि की प्रारंभकि छानबीन के अनुसार शवकुिमार जायसवाल चने के बेसन व घी की पैकगि कर बेचने का काम करता था उसने बैंक से बीस लाख रुप का कर्ज ले रखा था कर्ज चुकाने में नाकाम शवकुिमार काफी परेशान रहता था इस बात से घर के लोग भी दुखी थी यही वजह बनी क पूरे परवािर ने क साथ जहर खाकर जान देने का फैसला कर लयिा

शहर के भुवर नरिंजनपुर में करि पर रहने वाले शवकुिमार जायसवाल के घर हुई घटना से पोसी भी अवाक हैं पोसियों की मानें तो परवािर में कभी झगा या ववािद की बात सामने नहीं आई और न ही ऐसी बात सोमवार की रात हुई बल्क सोमवार की शाम शवकुिमार की पत्नी मीना अपने घर के बाहर बैठकर अन्य महलिाओं से बातचीत कर रही थी और परवािरीजन सामान्य नजर आ रहे थे हालांक कुछ पोसी यह भी कहते नजर आ क शवकुिमार का परवािर मोहल्ले में कसिी से खास मतलब नहीं रखता था लहिाजा घर में क्या चल रहा है, इसकी जानकारी कसिी को नहीं हो पाती थी